इकाई-IV

15. बच्चे काम पर जा रहे हैं

रचनाकार

राजेश जोशी का जन्म सन् 1946 में मध्य प्रदेश के नरसिंहगढ़ ज़िले में हुआ। उन्होंने शिक्षा पूरी करने के बाद पत्रकारिता शुरू की और कुछ सालों तक अध्यापन किया। राजेश जोशी ने कविताओं के अलावा कहानियाँ, नाटक, लेख और टिप्पणियाँ भी लिखीं। साथ ही उन्होंने कुछ नाट्य रूपांतर भी किए हैं। कुछ लघु फिल्मों के लिए पटकथा लेखन का कार्य भी किया। उन्होंने भर्तृहरि की कविताओं की अनुरचना **भूमि का कल्पतरू यह भी** एवं मायकोवस्की की कविता का अनुवाद **पतलून पहिना बादल** नाम से किया है। कई भारतीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेज़ी, रूसी और जर्मन में भी राजेश जी की कविताओं के अनुवाद प्रकाशित हुए हैं।

राजेश जोशी के प्रमुख काव्य संग्रह हैं- **एक दिन बोलेंगे पेड़, मिट्टी का चेहरा, नेपथ्य में हँसी** और **दो पंक्तियों के बीच**। उन्हें माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार, मध्य प्रदेश शासन का शिखर सम्मान और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

राजेश जोशी की कविताएँ गहरे सामाजिक अभिप्राय वाली होती हैं। वे जीवन के संकट में भी गहरी आस्था को उभारती हैं। उनकी कविताओं में स्थानीय बोली-बानी, मिज़ाज और मौसम सभी कुछ व्याप्त हैं। उनके काव्यलोक में आत्मीयता और लयात्मकता है तथा मनुष्यता को बचाए रखने का एक निरंतर संघर्ष भी। दुनिया के नष्ट होने का खतरा राजेश जोशी को जितना प्रबल दिखाई देता है, उतना ही वे जीवन की संभावनाओं की खोज के लिए बेचैन दिखाई देते हैं।

प्रस्तावना प्रसंग

बाल मज़दूर
होटलों में काम करते,
सड़कों पर गाड़ी धोते,
भीख माँगते, बोझ ढोते,
कचड़ा बीनते, कपड़ा बुनते,
गंदे मटमैले चीथड़ों में
कभी घृणा से, कभी करुणा से,
देखा होगा तुमने मुझे अनजाने में।

प्रश्न

1. कविता के भाव कौन प्रकट कर रहा है?
2. कविता में बाल मज़दूर क्या कह रहा है?
3. बालकों से मज़दूरी क्यों नहीं करवानी चाहिए?
4. बाल मज़दूरी समाप्त करने के लिए आप क्या करना चाहेंगे?

भूमिका

प्रस्तुत कविता में बच्चों से बचपन छीन लिए जाने की पीड़ा व्यक्त हुई है। कवि ने उस सामाजिक-आर्थिक विडंबना की ओर इशारा किया है जिसमें कुछ बच्चे खेल, शिक्षा और जीवन की उमंग से वंचित हैं।

SCERT TELANGANA

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह सुबह

बच्चे काम पर जा रहे हैं

हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह

काम पर क्यों जा रहें हैं बच्चे?

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें

क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक
तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?
कितना भयानक होता अगर ऐसा होता
भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीजें हस्बमामूल

पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुज़रते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

SCERT TELANGANA

प्रश्न-अभ्यास

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

❖ विचार-विमर्श

1. वर्तमान युग में सभी बच्चों के लिए खेलकूद और शिक्षा के समान अवसर प्राप्त हैं। इस विषय पर वाद-विवाद आयोजित कीजिए।
2. कहा जाता है कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। अतः बच्चों का भविष्य देश का भविष्य है। बच्चों की अशिक्षा देश के भविष्य को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है? चर्चा कीजिए।

❖ पढ़ना, भाव समझना और भाव विस्तार

क. पाठ में उत्तर ढूँढ़िए।

1. कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क पर जो चित्र उभरता है उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।
2. कवि ने इस कविता में कौन-कौन सी भयानक परिस्थितियों की बात कही है? क्यों?

ख. पाठ समझकर उत्तर दीजिए।

1. भाव स्पष्ट कीजिए।

क. हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

ख. भयानक है लेकिन इससे भी ज़्यादा यह
कि हैं सारी चीज़ें हस्बमामूल
पर दुनिया की हज़ारों सड़कों से गुजरते हुए
बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे
काम पर जा रहे हैं।

2. कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे? कवि की दृष्टि से उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछना चाहिए।
3. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

SCERT TELANGANA

ग. पढ़ने की योग्यता का विस्तार

कविता पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वह आता

दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को
भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता
पथ पर आता।
साथ में दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया दृष्टि-पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओठ जब जाते,
दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट पड़ने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. भिक्षुक की दशा कैसी है?
2. भिक्षुक के भीख माँगने के क्या-क्या कारण हो सकते हैं?
3. "भूख से सूख ओठ जब जाते,
   दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते?" भाव स्पष्ट कीजिए।
4. भीख माँगते समय भिखारी के बच्चों के मन में क्या-क्या विचार आते होंगे?
5. आप ऐसे गरीबों की सहायता किस प्रकार करना चाहेंगे?

SCERT TELANGANA

अभिव्यक्ति–सृजनात्मकता

❖ स्वाभिव्यक्ति

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार–पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से सभी बच्चे क्यों वंचित हैं?
2. दिन–प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा है, फिर भी किसी को कुछ अटपटा सा नहीं लगता। इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं?
3. आपने अपने शहर में बच्चों को कब–कब और कहाँ–कहाँ काम करते हुए देखा है?
4. काम पर जाते हुए बच्चे के स्थान पर अपने–आप को रखकर देखिए। आपको जो महसूस होता है उसे लिखिए।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ–दस वाक्यों में लिखिए।

1. आज बहुत से ऐसे सरकारी आवासीय विद्यालय हैं, जहाँ बच्चों के लिए मुफ़्त खाने, रहने व पढ़ने की व्यवस्था है। सोचिए और बताइए कि किन कारणों से गरीबों के बच्चे ऐसे विद्यालयों का लाभ नहीं उठा पाते?
2. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए? उन्हें क्या करने के मौके होने चाहिए?

❖ सृजनात्मक कार्य

बाल श्रम की रोकथाम पर नाटक तैयार कर उसकी प्रस्तुति कीजिए।

❖ प्रशंसा

आज बच्चों के अधिकारों के लिए बच्चों व बड़ों सब में जागरूकता आ रही है। इसके लिए कानून भी बनाए गए हैं। ऐसे कानूनों से समाज को क्या लाभ होगा?

भाषा की बात

1. इस कविता में अनेक प्रकार से प्रश्न पूछे गए हैं। इससे पता चलता है कि प्रश्न पूछना भी एक कला है। इससे भी भाषा में सौंदर्य उत्पन्न होता है। पाठ में आए प्रश्न रेखांकित कीजिए। उन्हें अलग–अलग तरह से पूछिए। कुछ अन्य सामाजिक समस्याओं के संदर्भ में ऐसे ही कलात्मक प्रश्नों का निर्माण कीजिए।

परियोजना कार्य

बाल श्रम की रोकथाम के लिए लोगों के सुझाव जानने के लिए दस प्रश्न बनाइए। अपने मित्रों से इनके उत्तर पूछिए। उनके उत्तर संक्षिप्त में लिखिए।

SCERT TELANGANA